भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं.*135

जिसका उत्तर 10.02.2022 को दिया जाना है

बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण

***135**. श्री संतोष कुमार:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बिहार में खगड़िया से पूर्णिया तक राष्ट्रीय राजमार्ग-34 का निर्माण करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और उसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) उक्त परियोजना को कब तक पूरा किए जाने की संभावना है;

(ग) उक्त राष्ट्रीय राजमार्ग किन-किन स्थानों से होकर गुजरेगा;

(घ) क्या मीरगंज-सरसी से होकर गुजरने वाले कुरसेला से सिमराही राज्य राजमार्ग-57 को राष्ट्रीय राजमार्ग में परिवर्तित करने का कोई प्रस्ताव है जिससे बिहार की राजधानी तक पहुंचने की दूरी कम होगी और यदि हां, तो इस प्रयोजनार्थ कितनी समय-सीमा निर्धारित की गई है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ड.) बिहार राज्य में सड़क निर्माण के कौन-कौन से प्रस्ताव केन्द्र सरकार के विचाराधीन हैं तथा इन्हें कब तक अनुमोदित किए जाने की संभावना है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ड.) एक विवरण सभा-पटल पर रखा जाता है।

'बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण' के संबंध में श्री संतोष कुमार द्वारा पूछे गए दिनांक 10.02.2022 के लोक सभा मौखिक प्रश्न सं. *135 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (ग) खगड़िया से पूर्णिया तक के खंड, जो राष्ट्रीय राजमार्ग (रारा)-31 का एक भाग है, को 2-लेन का बनाने का काम पूरा हो गया है और इसे यातायात के लिए खोल दिया गया है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) परामर्शदाता की नियुक्ति करके उक्त खंड के आगे और उन्नयन की संभावना का पता लगाया जा रहा है। यह परियोजना खगड़िया, महेशखुठ, नौगछिया, पवई चौक और पूर्णिया से गुजरती है।

(घ) मंत्रालय को राज्यीय सड़कों को नए राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित करने के लिए बिहार राज्य सरकार सहित विभिन्न राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों आदि से प्रस्ताव प्राप्त होते रहते हैं। मंत्रालय संपर्कता की आवश्यकता, पारस्परिक प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के आधार पर समय-समय पर कुछ राज्यीय सड़कों को नए राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित करने पर विचार करता है।

(ड.) भारतमाला परियोजना चरण- I के तहत 22,204 करोड़ रुपये लागत की 992 किमी लंबाई की परियोजनाओं को चिंहित किया गया है। जिनमें से, 15,962 करोड़ रु. लागत से 681 किमी लंबाई की 14 परियोजनाओं को स्वीकृत कर दिया गया और सौंप दिया गया है। भारतमाला परियोजना चरण- I के तहत चिंहित की गई शेष लंबाई को 2023-24 तक सौंपने का लक्ष्य रखा गया है।

भारतमाला परियोजना चरण- I की चिंहित की गई परियोजनाओं के अलावा अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्य वार्षिक आधार पर पर किया जाता है, जो पारस्परिक प्राथमिकता, यातायात सघनता, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी और निर्माण पूर्व कार्य-कलापों तथा निधि की उपलब्धता पर निर्भर करता है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में,दिसम्बर 2021 तक 464.84 करोड़ रुपये लागत की 45.925 किमी लंबाई वाली 9 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इसके अलावा, 2,314.08 करोड़ रुपये लागत की 185 किमी लंबाई वाली 10 परियोजनाएं अनुमोदन के विभिन्न चरणों में हैं।

*****